SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल भला अर अशुद्ध कै बारे में के कहवै सै? — द फाउंडेशन · KJV पवित्र शास्त्र स्ट्रॉन्ग्स नंबरां कै गेल्या

THE FOUNDATION · THE ORIGINAL STUDY, SET IN THE ANCIENT ORDER

भलाई और बुराई — बुनियादी बाइबिल सिद्धांत

शुरूआती बात

हरेक माणस के आगै जो सुर्ग के हेठ है, दो बात खड़ी रहवै: एक तरफ जीवन और भलाई, दूसरी तरफ मौत और बुराई। प्रभु चाहवै के उसके माणस, जद वे पूरे बड़े हो जावै, अपणी समझ नै इसा ट्रेन करैं के दोनूं म्ह फरक बता सकैं। जो माणस बुराई करैं, उनकी तरफ ध्यान लगा कै देखो, क्योंके पवित्रशास्त्र उननै साफ-साफ दिखावै। वे बुराई करना जाणै, पर भलाई करण का कोए ज्ञान न्ही राखते। वे जान-बूझकै नुकसान की योजना बणावैं। वे इसके इस्से आदी हो जावैं के यह उनकी अपणी खाल की तरहां उनका हिस्सा बण जावै। आखिर म्ह वे बिना कोए गलत काम करे सो भी न्ही पावैं। इसा दिल कहां से शुरू होया? बाग म्ह वापिस चालो। उड़ै जीवन का पेड़ खड़ा था, और उड़ै भलाई और बुराई की पहचान का पेड़ खड़ा था, और एक साफ हुकम था। सांप बोल्या के मौत न्ही आवैगी, और उनकी आंख्यां खुल जावैगी। स्त्री नै देख्या, ल्या, खाया, अर दे दिया; अर उन दोन्नां की आंख्यां सच म्ह खुल गईं। पर उस ज्ञान नै उननै वो दिया जो वे सहन न्ही कर सके। वे भलाई नै जाणते थे, पर उसनै करण की उनम्ह ताकत नहीं थी। वे बुराई नै जाणते थे, पर उसका सामना करण की उनम्ह ताकत नहीं थी। शर्म आई, अर डर आया, अर वे उस्से हजूरी से लुक गए जिसके आगै खड़े होण खात्तर वे बणाए गए थे। थोड़ी ही पीढ़ियां म्ह, माणस के दिल म्ह बणी हरेक योजना हमेशा बुराई की तरफ मुड़ी रहती थी, अर यह प्रभु के दिल नै दुखी करदी। फेर भी जद न्याय बीत गया, तो एक माणस नै एक वेदी बणाई, अर प्रभु नै भेंट की खुशबू सूंघी, अर अपणे दिल म्ह एक वायदा कह्या। नूह नै कैसे जाण्या के बलिदान बुराई का जवाब देगा? यह सवाल आखिर तक राख्खो, क्योंके इसका जवाब एक और पेड़ पर, एक और भेंट के जरिये, एक ही बार म्ह सदा खात्तर मिलै। वायदा पक्का खड़ा है: जो कोए सुणैगा, वो सुरक्षित रहवैगा, अर बुराई के डर से आराम पावैगा। इसनै खोज कै देख लो।

तीन सवाल जिनका जवाब यो अध्ययन देवै सै:

1. आज हरेक माणस के आगै दो चीज्जां खड़ी रहै सै, वे कौण-कौण सी सै, और बुराई किस तरह का दिल बणावै सै?
2. भले-बुरे के ज्ञान नै मरद अर लुगाई म्ह के करया, अर वे प्रभु की हाजिरी तै क्यूँ लुक्गे?
3. जब मान्नखे के मन की हरेक योजना सारा टाईम बुरी ही थी, तो बुराई का जवाब के दिया, अर बुराई के डर से आराम कौण करैगा?

यूनानी मुख्य शब्द

“विवेक (discern)” — **G1253 diakrisis** — एक विवेक करण आळा, एक न्याय करण आळा

पूरे अध्ययन का एक शब्द म्ह सार: इन्द्रियां जो भले और बुरे दोनु की पहचान करण खात्तर अभ्यास करी गई हों (इब्रानियों 5:14)

"इन्द्रियाँ" — **G145 aistheterion** — अनुभव करण की शक्ति, इंद्री (सेंस)
मुण्ड की परखण की ताकत काम मैं ल्याण से बढ़ै सै — इन्द्रियां (senses) नै साधन जरूरी सै

"भला" — **G2570 kalos** — सुथरा, ईमानदार, लायक
भला जिसनै एक पूरा सयाणा माणस पिच्छाणण के काबिल सै

"बुराई" — **G2556 kakos** — bura, गलत, हानिकारक
वो बुराई जिसकी एक पूरा सियाणा माणस पहचान करके नकार सकै है

"पेड़" — **G3586 xylon** — लकड़ी, पेड़, डण्डा
एक रुक्ख के जरिए वा ज्ञान आई जो माणस की सहन-शक्ति तै बाहर थी; एक रुक्ख पै उसके पाप उठाए गए (1 पतरस 2:24)

HEBREW KEYWORDS ke ibrani shabd

"बुराई" — **H7451 ra** — बुरा, खराब, विपत्ति, कष्ट, दुख
पूरे अध्ययन का शब्द, जो भलाई के सामने बार-बार राखा गया है

"भला" — **H2896 towb** — बढ़िया, सुहावणा, भला
जीवण कै गैल हमनै आगै धरया गया सै (Deuteronomy 30:15) — जो प्रभु भला कहवै सै, वो सांच्चे म्ह भला सै

"जान" — **H3045 yada** — जाणणा, समझणा, भेद करणा
अच्छे और बुरे का ज्ञान — साँप का बोल, अर अर मनुष्य का भार

"ज्ञान" — **H1847 daath** — ज्ञान, समझ बूझ
रुक्ख का नाम — भले-बुरे की पिछाण के रुक्ख

"डरा हुआ" — **H3372 yare** — डरणा, भयभीत होणा; आदर करणा (श्रद्धा राखणा)
अनाज्ञाकारिता का पहला फल: मन्नै डर लाग्या, अर मन्नै अपणे-आपनै लुकाल्या

"उपस्थिति" — **H6440 panim** — चेहरा, मुखड़ा
hiya, ओहनै तै लुकणा यानिये ओहके मुँह तै लुकणा सै

"भरोसा" — **H982 batach** — विश्वास करणा, भरोसा करणा, सुरक्षित महसूस करणा
जिब़ डर की बात आवै सै, तो उसका जवाब यो सै: "जिस बखत मन्नै डर लागै सै, मै तेरे पै भरोसा राखूँगा" (भजन संहिता 56:3)

"संकट" — **H6869 tsarah** — कष्ट, दुख, पीड़ा
संकट की उस थोड़ी सी जगह जिस म्हं बुराई एक माणस नै बंद कर देवै (नीतिवचन 1:27)

"पीड़ा" — **H6695 tsuqah** — संकट, पीड़ा
रुख (Proverbs 1:27) की आत्मा पै दबाव

"अभ्यस्त" — **H3928 limmud** — सिखाया गया, प्रयोग करया गया
बुराई सीख ली जावै सै जिब तक ये किसे माणस की अपनी खाल की तरहां ना बन जावै (Jeremiah 13:23)

"कल्पना" — **H3336 yetser** — कल्पना, ढाँचा, मकसद
परमेश्वर नै बाढ़ तै पैहले अर बाढ़ के बाद मान्नस के मन म्ह के देख्या (Genesis 6:5; 8:21)

ओपनिंग एंकर

इब्रानियों 5:14 पर जिस माणस की तुलना श्याणे माणस तै करी जा सै, जो ठीक तै खाण चबा-चबा कै खा सकै सै, वो यो माणस सै जिसका बिश्वास पक्का सै अर जो खरी शिक्षा नै समझ सकै सै, उसनै आच्छे अर बुरे की पिच्छाण करणा सीखा लिया सै।
[G2556 kakos ⚑] [G2570 kalos ⚑] [G1253 diakrisis ⚑] [G145 aistheterion ⚑]

पक्की खुराक = उन खातर जो श्याणे माणस सैं → इन्द्रियां नै आच्छे अर बुरे की पिच्छाण करण खातर उपयोग के जरिये सिखाया गया सै।

(मेरे निजी विचार — यही सारे अध्ययन की बुनियाद है: भलाई और बुराई शास्त्र म्ह एक साथ नाम ली गई हैं। यो मतलब नाहीं कै आदमी को बुराई का स्वाद लेणा चाहिए, बल्के इन्द्रियां को इस तरियां तैयार करणा चाहिए कै वे इसकी पहचान कर सकैं और इसे नकार दें। अध्ययन पहले उन लोगां पर नजर करै जो बुराई करै हैं; फेर उस बगीचे पर जित ज्ञान दाखल होया, अर फेर उस वेदी पर जित बुराई का जवाब दिया गया।)

I. जीवन अर बड़ाई, मौत अर बुराई — थारे स्याम्ही राख्या दो रास्ता

A. Deuteronomy 30:15 ↗ *read this in your Bible*

आज तेरे स्याम्ही धरया सै: जीवन + भलाई → मौत + बुराई।

(मेरे निजी विचार — बुराई, रा (H7451, evil), भलाई, टोव (H2896, good) के सामनै बार-बार पवित्रशास्त्र म्ह राखी गई है। दोन्नुआं नै साथ-साथ धरया गया सै ताकि माणस उननै अलग-अलग पिच्छाणना सीख सकै, जिस तरियां चाणचक नै अन्धारे तै न्यारा करया गया था।)

B. Micah 3:1 ↗ *read this in your Bible*

के न्याय की जाणकारी थारे नैं नहीं होणी चाहिए? → जो भले नैं बुरा मानै, अर बुरे नैं भला मानै।

C. Proverbs 1:24 ↗ *read this in your Bible*

मन्नै बुलाया, अर थारे नाट्टया → फेर वे बुलावैंगे, पर मैं जवाब कोनी दियुंगा।

(मेरे निजी विचार — संकट, tsarah (H6869, distress), एक जड़ सुं आया है जिसका मतलब सकरा (तंग) होना है: आत्मा की वो तंग, घिरी हुई जगह जो घेराबंदी म्हैं है। पीड़ा, tsuqah (H6695, anguish), उस घेराबंदी का दबाव है। उस सकरे अंधेरे म्हैं प्रभु अपने उद्धार की ज्योति ल्याता है, जै कोई सुनने खातर तैयार हो।)

D. Proverbs 1:29 ↗ *read this in your Bible*

उननै ज्ञान से बैर राख्या + परमेश्वर के भय नै नहीं चुण्या → पर जो कोई सुण लेवै वो बुराई के भय से चैन में रहवैगा।

E. Isaiah 5:20 ↗ *read this in your Bible*

हाय = बुराई नै भलाई कही जावै + भलाई नै बुराई कही जावै → अन्धकार नै उजाळे की जगहां धरया जावै।

II. बुरे काम करण आळे माणस — चार पिच्छाण, अर धर्मी का मारग

A. Jeremiah 4:22 ↗ *read this in your Bible*

बुराई करण म्ह सियाणे + भलाई करण की उननै कोए समझ कोनी = उननै मन्नै जाण्या ए कोनी।

B. Proverbs 24:8 ↗ *read this in your Bible*

जो बुराई करण की जुगत भिड़ावै = एक शरारती माणस।

C. Jeremiah 13:23 ↗ *read this in your Bible*

बुराई करण की आदत = हब्शी की खाल + तेंदुए के धब्बे, बदल नहीं सकते।

D. Proverbs 4:14 ↗ *read this in your Bible*

मत जा + उसमें से फिर जा → क्यूँके वे सोवैं नहीं, जब तक बुराई ना कर लें।

E. Proverbs 4:18 ↗ *read this in your Bible*

धर्मी का मार्ग = चमकती ज्योति, जो दिन-ब-दिन बढती जावै सै जब तक भरपूर दिन ना आ जावै → दुष्टां का मार्ग = अंधकार।

(मेरे निजी विचार — ये उन लोगां के लक्षण हैं जो बुराई करते हैं। उनके म्हं भलाई करण का ज्ञान नहीं होता। वे जान-बूझकर नुकसान की योजना बनाते हैं। वे इसके इतने आदी हो जाते हैं कै यह उनकी अपनी खाल जैसा बण जावै है। अंत म्हं वे तब तक सो नहीं पाते जब तक उन्नै कुछ गलत ना कर लिया हो। और जो बात वे समझ नहीं पाते, उसका एक हिस्सा यह है: वे तब तक नहीं देख पाते, जब तक बहुत देर ना हो जावै, कै वे अपणी ही आत्मा कै कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं।)

III. पेंटाट्यूक — उत्पत्ति: बिरख, पतन, अर अर बुरा हिरदा

A. Genesis 2:8 ↗ *read this in your Bible*

हरेक रुख देखण म्ह मनभावन अर खाण खात्तर बढ़िया + जीवन का रुख + भला अर बुरा का ज्ञान का रुख।

(मेरे निजी विचार — पेड़ां पै ध्यान दे। हरेक पेड़ खाणे खात्तर बढ़िया था। फेर जीवन का पेड़ अलग खड़ा था। और भले-बुरे के ज्ञान का पेड़ भी अलग खड़ा था। दो पेड़ बीचाँ खड़े थे, और उन्में सैं सिर्फ एक ही मना था।)

B. Genesis 2:15 ↗ *read this in your Bible*

प्रभु परमेश्वर नै माणस नै लिया + उस ताहीं बाग्ग म्ह धर दिया → उसकी खेती करण अर उसकी रक्षा करण खात्तर।

C. Genesis 2:16 ↗ *read this in your Bible*

हर एक रुखड़े का फळ खुशी-खुशी खा → पर भले-बुरे की जाणकारी वाले रुखड़े का फळ ना खाणा → जिस दिन तू उसका फळ खावैगा, उस दिन तू जरूर मर जावैगा।

(मेरे निजी विचार — प्रभु नै घणा दिया: हरेक पेड़ का, खुल कै खा। उसनै सिर्फ एक पेड़ मना करया। अर यो हुकम आदमी नै दिया गया, क्यूँके जनानी अजे बणी ए न्ही थी।)

D. Genesis 3:1 ↗ *read this in your Bible*

परमेश्वर नै कह्या था → साँप बोल्या: थम निश्चय कोनी मरोगे + थम परमेश्वर के समान हो ज्याओगे, अर भला-बुरा जाणण आळे बण ज्याओगे।

E. Genesis 3:6 ↗ *read this in your Bible*

उसनै देख्या + लिया + खाया + दिया → उन दोनुआं की आँखां खुल गईं, अर उननै जाण लिया कै वे नंगे सें।

(मेरे निजी विचार — इसके पहले कोई शर्म नहीं थी। ज्ञान आया, और उसनें सबसे पहली बात जो उन्नै दिखाई वो उनकी अपनी नंगाई थी। भले और बुरे का ज्ञान, बुराई के खिलाफ शक्ति के बिना, शर्म पैदा करता है।)

F. Genesis 3:8 ↗ *read this in your Bible*

उननै प्रभु परमेश्वर की आवाज सुणी → अर प्रभु परमेश्वर की हजूरी तै लुक ग्ये।

(मेरे निजी विचार — उपस्थिति पनीम (H6440, presence) है, मुख। अवज्ञा नै उन्हें उस मुख तै छिपणे पर मजबूर कर दिया, जिसके स्याम्ने खड़े होणे खात्तर वे बणाए गए थे। और "दिन की ठंडक" (the cool of the day), इब्रानी में, दिन की हवा है।)

G. Genesis 3:9 ↗ *read this in your Bible*

मैं तेरी आवाज सुनी + मैं डर गया, क्यूँके मैं नंगा था → अर मैं छिप गया।

(मेरे निजी विचार — डरा, यारे (H3372, afraid): पवित्रशास्त्र का पहला डर पहली अनाज्ञाकारिता के पाच्छै आया। डर बुराई के ज्ञान के साथ भीतर आया।)

H. Psalm 56:3 ↗ *read this in your Bible*

जिस बखत मैं डरूं = मैं तेरे पै भरोसा करूंगा → मैं नहीं डरूंगा के देह मेरा के कर सकै।

I. Psalm 56:11 ↗ *read this in your Bible*

परमेश्वर पै भरोसा राखणा = मन्नै डर कोनी लागैगा के मान्खे मेरा के कर सकै सै।

(मेरे निजी विचार — इस एक भजन की दो लाइनां ल्याओ अैर आमने-सामने राखो। पहल्यां: "जिस बखत मैं डरूं, मैं भरोसा करूंगा।" आगै: "मैं ना डरूंगा।" भरोसा दोनुआं के बीच खड़ा है — मन की चौकसी करण खात्तर डर पै जीत की इच्छा। यह आदम की उस बात का जवाब है, "मैं डर गया, अैर मैं छुप गया": उपस्थिति स्ां छुपणे खात्तर नहीं, बल्कि वचन पै भरोसा करण खात्तर।)

J. Genesis 3:22 ↗ *read this in your Bible*

अब यो माणस म्हारे म्ह-से एक जैसा होगया, भला-बुरा जाणण खात्तर → बाहर निकाल दिया + एक जळती तलवार, ताकि जीवन के पेड़ का राह की रुखवाली हो सके।

(मेरे निजी विचार — भले-बुरे के ज्ञान नै माणस नै उसकी सहन-शक्ति से बत्तर कुछ दे दिया। उसका ज्ञान उसकी शक्ति नै लांघ गया। वो अब भले नै जान तो सकता था, पर उसनै कर नहीं सकता था। वो बुरे नै जान तो सकता था, पर उसकै आगै टिक नहीं सकता था। और तलवार जीवन के पेड़ के राह की रक्षा करती रही, ताकि वो खा के उस टूटी दशा म्ह सदा जिन्दा ना रहै।)

K. Genesis 6:5 ↗ *read this in your Bible*

उसके मन के विचारां की हर एक कल्पना = बस बुराई ही लगातार बणी रहवै → अर इसका उसकै मन मं् भारी दुख होया।

(मेरे निजी विचार — imagination यानी yetser (H3336, imagination) है, वो चीज़ जो बणी: मन म्हं बणे उद्देश्य अर इच्छा। परमेश्वर नै दुष्टता देखी, जो बुराई का फल है। बुराई मन के बणे उद्देश्यां तै आवै है। अर उसकै मन म्हं इसका दुख होया। आज भी, जद पवित्र आत्मा दुखी होवै है, तो या इस करकै होवै है के बुरे विचार, इच्छा अर उद्देश्य मन के भीतर राख्खे रहवै हैं।)

L. Genesis 8:20 ↗ *read this in your Bible*

नूह नै होम-बलि चढ़ाई → यहोवा नै सुखदायक सुगन्ध सूँघी → मैं फेर धरती नैं ना कोसूँगा।

(मेरे निजी विचार — एक सवाल जो खोजण लायक सै: नूह नै कित्तेतै बलिदान करण का बतावा? के उसनै कोए आवाज सुणी? के बलिदान का सम्बन्ध उस बुराई तै था? मानवी का मन तो उसकी जवानी तैई बुरा था। फेर भी जद होम बलि चढ़ाई गई, तो प्रभु नै उसके मन म शान्ति की बात कही, मानो बुराई का जवाब सिर्फ बलिदान ए दे सकै था, क्योंके आग नै भेंट नै भस्म कर दिया। इस सवाल नै मन म धरे रह्यो। पवित्रशास्त्र इसका जवाब एक और पेड़ पै दे सै।)

समापन

Proverbs 1:33 ↗ *read this in your Bible*

जो कोए सुण ले = सुरक्षित बसे + बुराई कै डर तै निश्चिंत रहवै।

1 पतरस 2:24 वो आप ए म्हारे पापां नै अपणी देह पै लिये होए क्रूस पै चढ़ गया, जिसतै हम पापां कै खात्तर मरकै धार्मिकता कै खात्तर जीवन बितावां, उस्से कै मार खाण तै थम चंगे होए। **[G3586 xylon ⚑] [G399 anaphero ⚑]**

वो आप ए म्हारे पापां नै अपणी देह पै लिये होए क्रूस पै चढ़ गया → पापां कै खात्तर मरकै धार्मिकता कै खात्तर जीवन बितावां + उस्से कै मार खाण तै थम चंगे होए।

(मेरे निजी विचार — नूह की वेदी का सवाल याहीं जवाब पा ज्या है। एक पेड़ के जरिए बुराई का ज्ञान आया। एक पेड़ पै बुराई ल्याई गई। जो बलि नूह की तरफ बढ़ा, परमेश्वर नै खुद दे दी: अपनी ही आत्मा, अपना ही शरीर, एक ही भेंट। जो सुण ले वो बुराई के डर तै आराम पावैगा, क्योंकि बुराई का जवाब मिल ग्या है।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. व्यवस्थाविवरण 30:15 — देख, मन्नै आज तेरे स्याम्ही राख दिया सै:
a) सिर्फ आशीर्वाद अर अभिशाप
b) जीवन और भलाई, अर अर मौत और बुराई
c) कानून अर अर आज्ञा

2. उत्पत्ति 2:16-17 — बाग के हरेक रुक्ख तै तू खुल्ल्या खा सकै, सिवाय:
a) जीवन का पेड़
b) हरेक ऐसा रुख जो देखण म्ह सुहावणा हो
c) भले-बुरे के ज्ञान का पेड़

3. नीतिवचन 1:33 — कौण सुरक्षित बसैगा, अर बुराई के डर स निश्चिन्त रहैगा?
a) जो कोए मेरी सुण सै
b) जो मन्नै सवेरे टोहैं
c) सीधे-सादे माणस, अपणी खुशहाली में

4. यिर्मयाह 13:23 — जो बुराई करण के आदी होगे वे भलाई कर सकैं, ज्यों ही:
a) उन्हें भला करणा सिखाया जावै सै
b) क्या हबशी अपणी खाल नै बदल सकै सै, अर चीता अपणे धब्बां नै?
c) उसकी ओढ़नी उघाड़ी गई सै

5. उत्पत्ति 3:8 — आदम अर अकी लुगाई अपने-आप ताईं इनसे छिपगे:
a) प्रभु परमेश्वर की उपस्थिति, पेड़ां के बीच
b) बाग के पूरब में सुलगती तलवार
c) साँप की आवाज

6. उत्पत्ति 3:22-24 — मान्नै बाग तै क्यांतै काढ दिया गया?
a) कदे वो फेर तै भले-बुरे कै ज्ञान कै रूख का फळ ना खा ले
b) क्यूँके साँप अभै भी बगीचे म्ह था
c) कदे ना वो जीवन कै रुक्ख का भी फळ खा ले, अर सदा खात्तर जिन्दा रहवै

7. उत्पत्ति 8:21 — जब यहोवा नै सुखदायक बास सूँघी, तो उसनै कह्या के माणस के मन की कल्पना है:
a) सारी हाण बुरे ए काम
b) उसकी जवानी सै बुराई
c) भला करण नै मुड़ गया

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-c, 3-a, 4-b, 5-a, 6-c, 7-b

यो अध्ययन कस्यां शाखावां मं् बंट्ता सै

छाया किस तरियां तै ज्योति ल्याऐ सै: जीवन का पेड़ बीचाळै खड्या था (उत्पत्ति 2:9) → जो जीत ले, मै उस ताहीं जीवन के पेड़ म्ह तै खाण द्यूँगा (प्रकाशितवाक्य 2:7)। जो पेड़ तलवार तै राख्या गया था, वो मसीह म्ह फेर तै खोल दिया गया सै।

शब्दां का के महत्व है: नूह की भेंट की मीठी सुगंध (उत्पत्ति 8:21) → मसीह ने अपणे आप को परमेश्वर के आगै मीठी सुगंध वाली भेंट अर बलिदान के रूप में चढ़ा दिया (इफिसियों 5:2)। जो सुगंध नूह ने दी, वो पुत्र नै पूरी कर दी।

ये तेरे पे कैसे लागू होवे है: वे प्रभु की उपस्थिति, याने उसके मुँह, से लुक गे (उत्पत्ति 3:8), पर जो मन के शुद्ध होवें वे परमेश्वर को देखेंगे (मत्ती 5:8), और उसके सेवक उसका मुँह देखेंगे (प्रकाशितवाक्य 22:4)। डर नै मुँह नै लुका दिया। भरोसा उसनै बापस ल्यावे है (भजन संहिता 56:11)।

यो दिल नै किस तरियां छूता है: दिल के विचारां की हरेक कल्पना ही बुरी थी (उत्पत्ति 6:5) → परमेश्वर का वचन दिल के विचारां अर मनसा का परखनहार है (इब्रानियों 4:12)। जो उस बखत उसनै दुखी करया, वोई बात अब वचन जाँच रहा है।

अनन्तकाल के खात र इसका मतलब यह है: वो ज्ञान जो मानखे की शक्ति ते बाहर था, उसका जवाब भला-बुरा पहचानने खात र अभ्यास करी गई इन्द्रियां देवे हैं (इब्रानियों 5:14), और जो कोई सुणे वो बुराई के डर ते चैन पावेगा (नीतिवचन 1:33)। जो डर बाग म्ह आया था, वो सुणने वाले दिल म्ह शान्त हो जावै है।

तन्नै बचण खात्तर के करणा जरूरी सै?

> *"मन्नै बचणे खात्तर के करणा चाहिए" - म्हारे इस बाइबिल अध्ययन नै देक्खो*

SOURCES & CREDITS

Scripture: Haryanvi Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).